धी१०६३

No. २८१२ क

Title जयस्तोत्रम

Author

Extent ३ पत्र Age

Subject स्तोत्र

नयस्तोत्र

नं. १८१२

6406

F-3

complete

ॐनमःशिवाय॥ ॐजय सर्वज्ञ
नादेवजयगौरीपतेशिव॥ ज
यदेवमहादेवजयगंगाधरेश्व
र॥१॥जयदर्पघराध्वजजय १
कालान्तकालक॥जयकामवि

जं
१

तमेषाजयषमन्नाज्ञकेपक ।
जयत्रैलोक्यसंरक्षजयानिर्गुण
सद्गुण॥जयानन्तकगुणारम्भजय
गौरीमहेश्वर॥३॥जयचन्द्रकला
कान्तजयनागेन्द्रभूषण॥जयपं

गवसत्कोटिजयत्र्यक्षमहेश्वर ५
जयान्तकरिपीघाम्भोज॥जयब्रह्मा
॥त्रिकारण॥जयपंचकलातीतज
यच्छूलकपालभृत्॥५॥जयपैन्द्रो
चन्द्रादिजयनन्द्यादिवन्दितज

जं
१

यानेकगणौघौघजयस्वामिन्म
हेश्वर ॥६॥ जयविश्वसृजाम्बाव्य
जयविश्वसमस्तुण ॥ जयमोह ॥
नविध्वान्ताजयत्तुभ्यंनमोनमः ७
जयनिरामयजयस्वधामय ज

यम्नाहन्तयीदिने ॥ जयग्रहनाग्न
कजयस्तुराग्नक ॥ जयग्रहणाग्न
कस्तेल्पने ॥ जयपजराश्रियजयपु
राजय ॥ जयपनताप्पिनसक्मने ॥ ज
यजिनस्मरजयमहेश्वर ॥ जय

जं॰ ३

जयजयत्रिजगत्पते ॥ ५ ॥ इति श्रीजयस्तोत्रम् ॥

